माँ वैष्णो देवी

माँ वैष्णो देवी की पवित्र गुफा जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पर्वत में समुद्रतल से लगभग 5200 फुट की ऊंचाई पर अवस्थित है। भवन के लिए रास्ता कटड़ा से होकर जाता है जो कि श्री माता देवी विश्वविद्यालय (SMVDU) से करीब 12 किमी० दूर पड़ता है। प्रत्येक वर्ष करोड़ों भक्त माँ के दर्शन करने आते हैं। तीर्थयात्रियों की सुखसुविधा एवं दर्शन की सुचारु व्यवस्था करने की लिए जम्मू-कश्मीर सरकार ने सन् 1980 ई० में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का गठन किया है। लगभग 14 किमी० पर्वतारोहण के पश्चात् भक्त माँ वैष्णवी के दर्शन का पुण्य अर्जित करते हैं। भक्त माँ का दर्शन भावरूप में तीन पिंडियों में करते हैं। इस पवित्र स्थान का प्रथम उल्लेख महाभारत ग्रंथ में माना जाता है।

शिवखोड़ी

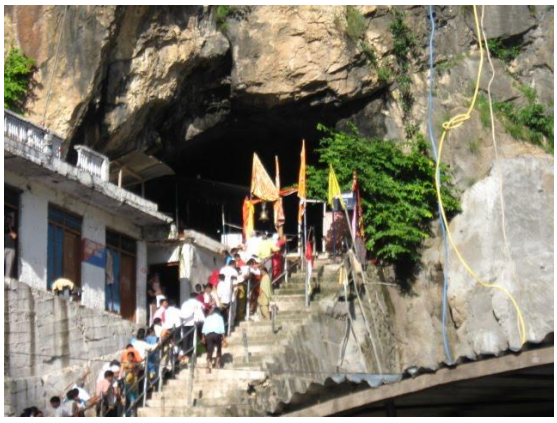

शिवखोड़ी की गुफा रियासी जिले के रणसू तहसील में स्थित है जो कटड़ा से लगभग 70 किमी० पड़ती है। रणसू से 3.5 किमी० की मनमोहक पदयात्रा करके भक्त गुफा के अंदर बाबा भोलेनाथ का दर्शन-लाभ पाते हैं। यहाँ स्थापित प्राकृतिक शिवलिंग भारत के प्राचीनतम शिवलिंगों में शामिल किया जाता है। रणसू से गुफा तक की पदयात्रा बड़ी ही मनोरम है। यहाँ की यात्रा की सुविधा के लिए भी जम्मू-कश्मीर सरकार ने शिवखोड़ी श्राइन बोर्ड का गठन किया है।

बाबा अघार जित्तो

कटड़ा से करीब 5 किमी० रियासी राजमार्ग पर अवस्थित बाबा अघार जित्तो एक आध्यात्मिक स्थान है। इस स्थान की कहानी एक माँ वैष्णवी के भक्त,

जो बाबा जितो के नाम से जाने जाते हैं, से जुड़ी है। बाबा जितो एक किसान थे जिनका हक गाँव के जमींदार बीर सिंह ने छीन लिया था। उन्होने अपने एवं किसानों के हक की लड़ाई में अपने जीवन को समर्पित कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि वे प्रतिदिन माँ के दर्शन करने जाया करते थे। जब वे अक्षम हो गए तो माँ वैष्णवी उन्हें स्वयं दर्शन देने आई थी। यह भी विश्वास किया जाता है कि जिन सात नदों में यहाँ जल आता है उसका स्रोत भवन में माँ के चरणों में प्रवाहित पवित्र जल ही है।

पटनी टॉप

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय से करीब 70 किमी० की दूरी पर श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पटनी टॉप एक मनोरम पर्यटन स्थल है। यह ऊधमपुर जिले में पड़ता है। यहाँ पर सर्दियों में भयंकर बर्फबारी होती है तथा जम्मू से आने वाले सैलानियों के लिए निकटतम हिल-स्टेशन है। गर्मियों में भी यहाँ का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहता है। इस स्थान से 5 किमी० आगे एक अन्य हिल-स्टेशन नत्था टॉप भी है।

मानसर झील

विश्वविद्यालय से करीब 50 किमी० दूर जम्मू जिले में स्थित मानसर झील का संबंध पौराणिक मानसरोवर झील से माना जाता है। यहाँ पर शेषनाग की एक पवित्र स्थली है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि झील की परिक्रमा करने से शेषनाग की कृपा प्राप्त होती है। झील के पास ही एक प्रसिद्ध उमापति महादेव और नरसिंह भगवान तथा माँ दुर्गा का मंदिर है।

उपर्युक्त दर्शनीय स्थलों के अलावा श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय अपने आप में एक दर्शनीय संस्था है। यह त्रिकुटा पहाड़ियों की गोद में झज्जर नदी के तट पर स्थापित है। इसके आस-पास ककरियाल, सिड़ा, पैंथल आदि गाँव हैं। इसकी स्थापना में ककरियाल और सिड़ा के करीब 80 परिवारों की भूमिका उल्लेखनीय है जिन्होंने सदियों से बसे अपने आसियाने को, अपनी पैतृक जमीन को जनकल्याण हेतु समर्पित कर दिया।